रक्षा उत्पादन क्षेत्र में विश्व मानचित्र पर दिखेगा लखनऊ

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा- ज्ञान का केंद्र व रक्षा प्रौद्योगिकी में अग्रणी बनेगा शहर

जागरण संवाददाता, लखनऊ : रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ब्रह्मोस मिसाइल की उत्पादन इकाई न केवल विश्वपटल पर लखनऊ को एक नई पहचान देगी, बल्कि यह प्रदेश के आर्थिक विकास की रीढ़ भी बनेगी। आने वाले वर्षों में कई देशों के विशेषज्ञ लखनऊ आएंगे। जिससे यह शहर ज्ञान का केंद्र और रक्षा प्रौद्योगिकी में अग्रणी बनेगा। साथ ही हम लखनऊ को रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में हम विश्व मानचित्र पर देखेंगे।

ब्रह्मोस एयरोस्पेस सरोजनीगनर में शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में रक्षा मंत्री ने कहा कि लखनऊ की ब्रह्मोस इकाई को मैंने बनते हुए देखा। आज वैसा ही एहसास हो रहा है जैसे एक किसान के सामने उसकी लहलहाती हुई फसल तैयार हो। रक्षामंत्री ने आगे कहा कि अगले वित्तीय वर्ष में लखनऊ की ब्रह्मोस इकाई का टर्न ओवर तीन हजार करोड़ रुपये का होगा। इससे उत्तर प्रदेश को पांच सौ करोड़ रुपये की जीएसटी मिलेगी। चार ब्रह्मोस मिसाइल के उत्पादन के बाद उसके पहले बैच को रवाना करने से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को महानिदेशक (ब्रह्मोस) डा. जयतीर्थ आर. जोशी ने 40 करोड़ रुपये की जीएसटी का चेक भी सौंपा ।

ब्रह्मोस एयरोस्पेस में शनिवार को पीटीसी इंडस्ट्रीज का भ्रमण करते रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह। साथ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ● सूचना विभाग

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इसी को कहते हैं आम के आम और गुठली के दाम। यूपी की जमीन आज सोना उगल रही है और सेना की आवश्यकताओं की पूर्ति भी कर रही है। लखनऊ में ब्रह्मोस यूनिट, झांसी में बीडीएल, बगल के जिले में वेब्ले रिवाल्वर और अमेठी में एके-203 का निर्माण हो रहा है।

दूसरों पर निर्भरता ने रक्षा क्षेत्र का विकास किया धीमा: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भटगांव में ही पीटीसी इंडस्ट्रीज के स्ट्रेटेजिक मैटेरियल्स टेक्नोलाजी कांप्लेक्स में टाइटेनियम और सुपरलाय मैटेरियल्स प्लांट राष्ट्र को समर्पित करते हुए कहा कि अतीत में भारत रक्षा और एयरोस्पेस के लिए आवश्यक उन्नत सामग्रियों और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के लिए अन्य देशों पर निर्भर था, जिससे रक्षा क्षेत्र का विकास धीमा हो गया था। भारत को प्रौद्योगिकी निर्माता बनने के लिए रक्षा और एयरोस्पेस में उपयोग की जाने वाली दुर्लभ सामग्रियों का उत्पादन करना चाहिए। यह नया संयंत्र भारत को उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल करता है, जो अपनी महत्वपूर्ण रक्षा और एयरोस्पेस सामग्री स्वयं बना सकते हैं। इससे हम अपने लड़ाकू विमानों, मिसाइलों, नौसैनिक प्रणालियों और उपग्रहों में इस्तेमाल होने वाले कलपुर्जों का निर्माण कर सकेंगे।

स्वदेशी रक्षा निर्माण का प्रमुख केंद्र बना यूपी : योगी

यूपी के डिफेंस कारिडोर का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहाकि उत्तर प्रदेश स्वदेशी रक्षा निर्माण के एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है। ब्रह्मोस इकाई इसका एक उदाहरण है। उनकी सरकार उन परियोजनाओं का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है जो राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करती है और क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर और तकनीकी विशेषज्ञता पैदा करती है। राजनाथ सिंह ने कहा कि हमें भारत के भीतर हर तरह की तकनीक विकसित करने की जरूरत है। सीकर से लेकर रैमजेट इंजन तक, जिससे हमारी आपूर्ति श्रृंखला पूरी तरह से स्वदेशी बनी रहे।